भाकृअनुप-केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपूर

कपास की खेती के लिए २४-३० अक्टुबर, २०१६ साप्ताहिक सलाह

"सलाहकार संबंधित राज्यों के राज्य कृषि व कृषि विश्वविद्यालयों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर किया जाता है"

साप्ताहिक सलाह

	वास्तविक वर्षा (मिमी)								मौसम विभाग व्दारा संभावित वर्षा (मिमी)					सलाह
	अक्टुबर													
दिनांक	13to19	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	
पंजाब														कपास चुनाई का कार्य तीव्र गति से चल रहा है | उत्तरी कपास क्षेत्र के तीनों राज्यों , पंजाब , हरियाणा , तथा राजस्थान में कपास की भरपूर फसल होने जा रही है | जैसिड तथा फूलकीट(थ्रिप्स) की संख्या लग भग नगण्य है| यद्यपि, सिरसा में कपास के खेतों में कपास के धूसर मत्कुण तथा लाल मत्कुण का प्रकोप देखा गया है | किसानों को साफ-सुथरी कपास चुनने की प्रक्रिया अपनाने की सलाह दी जाती है | चूँकि खेत में कपास का रंग बिगाड़ने वाले कीट बहुतायत में विद्यमान होने के कारण कपास चुनने में सावधानी रखें | हानि से बचाने के लिए प्रत्येक 8-10 दिनों के अंतराल पर कपास चुनें|
भटिंडा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
फिरोजपुर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
मुकतसर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
मानसा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
हरियाणा														
सिरसा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
हिसार	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
फ़तेहाबाद	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
राजस्थान														
हनुमानगढ़	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
श्रीगंगानगर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
बांसवाड़ा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	

उड़ीसा														फसल गूलर विकास तथा परिपक्वावस्था में है| रस चूषक कीटों तथा पत्ती लपेटक का प्रकोप देखा जा रहा है, जो आर्थिक हानि स्तर से कम है| रोगों का प्रकोप नहीं है| गूलर की गुलाबी सूँडी की निगरानी के लिए फसल में तुरंत फीरोमोन ट्रैप @5-6/हे की दर से स्थापित करें|
कोरापुट	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
कालाहांडी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
बोलांगीर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
गुजरात														जूनागढ़ में फसल गूलर विकास अवस्था में है	जैसिड तथा सफ़ेद मक्खी की संख्या आर्थिक हानि स्तर से अधिक दर्ज की गई| जीवाणु प त्ती शीर्णता तथा *एल्टरनेरिया* पत्ती धब्बा फसल पर देखे जा रहे हैं| आकस्मिक मुरझान तथा लाल पत्ती रोग भी फसल पर रिकार्ड किए गए हैं	सूरत में फसल शीर्ष गूलर विकास अवस्था में है| निराई तथा एक अंत:सस्य क्रिया फसल में आवश्यक है	जैसिड की संख्या आर्थिक हानि स्तर से अधिक दर्ज की गई है	बीटी रहित कपास में *हेलिकोवर्पा* भी आर्थिक हानि स्तर से अधिक दर्ज किया गया है	सूरत जिले में नाशीकीटों के प्रकोप के लिए 04 गावों में सर्वेक्षण किया गया| इन चारों गांवों , कुरचन, केसालु, दमादरा तथा देरोल के प्रत्येक गाव के 2 से 3 स्थलों में जैसिड की संख्या आर्थिक हानि स्तर से अधिक दर्ज की गई| इसके साथ ही गुलाबी सूँडी का प्रकोप केसालू गावों के एक स्थल पर आर्थिक हानि से अधिक रिकार्ड किया गया| आगामी कुछ सप्ताहों में गुलाबी सूँडी की संख्या में वृद्धि की संभावना है	गुलाबी सूँडी की निगरानी के लिए @5 से 6/ हे की संख्या में फीरोमोन ट्रैप फसल में तुरन्त स्थापित करें|
अमरेली	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
भावनगर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
जामनगर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
राजकोट	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
भरूच	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
सबरकांठा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
सुरेन्द्रनगर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
अहमदाबाद	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
वडोदरा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
पाटन	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
मेहसाना	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	

मध्य प्रदेश														फसल गूलर निर्माण अवस्था में है| लागातार बादलों का मौसम रहने तथा वर्षा होने के कारण अधिकांश खेतों में जैसिड, सफ़ेद मक्खी, चेंपा(एफीड) तथा फूलकीट(थ्रिप्स) का विभिन्न स्तरों पर प्रकोप विद्यमान है| गुलाबी सूँडी की निगरानी के लिए @5-6/हे की संख्या में फीरोमोन ट्रैप फसल में तुरन्त स्थापित करें|
खरगोन	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
धार	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
खंडवा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	
महाराष्ट्र														फसल गूलर विकास अवस्था में है	अगेती बुआई की गई फसल में गूलर प्रस्फुटन प्रारम्भ हो चुका है	बीटी तथा बीटी रहित कपास में *एल्टरनेरिया* पत्ती धब्बा देखा जा रहा है| फसल की परिपक्वावस्था में बीटी कपास के कुछ संकरों में लाल पत्ती रोग देखा गया है	अकोला जिले में 03 गांवों का सर्वेक्षण किया गया, जिनमें से सावंगी गांव के एक स्थल पर सफ़ेद मक्खी की संख्या आर्थिक हानि स्तर से ऊपर दर्ज की गई	राहुरी जिले के 03 गांवों , नामत:, साडे, गोतुम्बे आखाडा तथा पिंपरी अवघड , में सर्वेक्षण किया गया	इनमें से साडे तथा गोतुंबे अखाडा गावों के प्रत्येक के एक स्थल पर जैसिड की संख्या आर्थिक हानि स्तर से अधिक दर्ज की गई	नांदेड के 05 गावों(पिंपलगाव, फूलवाल, केरोडा, वरतला, तथा तुप्पा) में सर्वेक्षण किया गया| इनमें सफ़ेद मक्खी 2-3 स्थलों, जैसिड 1-2 स्थलों पर , मिलीबग 1 से 3 स्थलों पर , गुलाबी सूँडी 2-3 स्थलों पर , गूलर की अमेरिकन सूँडी 2-3 स्थलों पर , *एस. लिट्टरा* 2-3 स्थलों पर तथा चित्तीदार सूँडी 2 से 4 स्थलों पर आर्थिक हानि स्तर से अधिक रिकार्ड किए गए	गुलाबी सूँडी
धुले	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
नांदूरबार	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
जलगांव	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
अहमदनगर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
औरंगाबाद	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
जालना	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
बीड़	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
नांदेड़	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
परभणी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
हिंगोली	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
बुलढाना	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
अकोला	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
वासिम	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
अमरावती	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
यवतमाल	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
वर्धा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	

नागपुर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	की निगरानी की लिए फीरोमोन ट्रैप @5-6/हे की संख्या में फसल में तुरन्त स्थापित करें|
चन्द्रपुर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
तेलंगाना														फसल गूलर निर्माण अवस्था में प्रवेश कर चुकी है | तेलंगाना तथा आंध्रप्रदेश में गुलाबी सूँडी का प्रकोप फूलों तथा गुलाबवत् फूलों में दर्ज किया गया है | तेलंगाना के कुछ गांवों में फीरोमोन ट्रैप में पतंगों की संख्या आर्थिक हानि स्तर को पार कर चुकी है | गुलाबी सूँडी की निगरानी के लिए खेतों में फीरोमोन ट्रैप की स्थापना सामुदायिक स्तर पर तुरन्त स्थापित करें| गुलाबवत् फूलों का निरीक्षण तथा हरे गूलरों का नमूना नियमित लेते रहें| प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में ही नाशीकीट संख्या का दमन करने के लिए गुलाबवत् फूलों , झड़ी हुई कलियों, सुखे फूलों तथा असमय सूखे गूलरों को एकत्र करके समय-समय पर नष्ट करते रहें | वियमान मौसमी परिस्थितियों के कारण जीवाणु पत्ती शीर्णता तथा पर्णिल फफूँद पत्ती धब्बा रोगों का प्रादुर्भाव हो सकता है | रोग निरोधी उपाय के रूप में , फफूंदनाशकों के फसल पर छिड़काव की सिफ़ारिश की जाती है| अधिक मृदा नमी की परिस्थिति बनी रहने के साथ-साथ , जलवायु के उतार-चढाव तथा दूसरी असामान्य तथा विषम मौसमी परिस्थिति के कारण बीटी कपास के विभिन्न संकरों में अलग-अलग तीव्रता का दैहिकीय लाल पत्ती रोग दर्ज किया गया| गुंतूर जिले के 10 गावों में सर्वेक्षण किया गया| इनमें से सभी 10 गावों में 1-2 स्थलों पर जैसिड की संख्या आर्थिक हानि स्तर से अधिक दर्ज की गई| इसके साथ ही, फूलकीट की संख्या पोन्नेकल्लू, यदलापडू गावों को छोड़कर शेष सभी गावों
आदिलाबाद	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
वारंगल	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
खम्मन	0.1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
कारिंगर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
नालगोंडा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
महबूबनगर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
आंध्रप्रदेश														
गुन्टूर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
प्रकासम	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	

														में प्रत्येक के 01 स्थल पर फूलकीट(थ्रिप्स) की संख्या आर्थिक हानि स्तर से ऊपर दर्ज की गई। नांदयाल जिले के 02 गांवों में सर्वेक्षण किया गया , जिनमें जैसिड , फूलकीट(थ्रिप्स) तथा गुलाबी सूँडी की संख्या आर्थिक हानि स्तर से कम दर्ज की गई। गुलाबी सूँडी की निगरानी के लिए फीरोमोन ट्रैप @4 से 5/हे की संख्या में फसल में तुरन्त स्थापित करें।
कर्नाटक														रायचूर में फसल गूलर विकास अवस्था में है । सिंचित क्षेत्रों में फसल की वृद्धि बेहतर है । बारानी क्षेत्र में , फसल मृदा नमी प्रतिबल से जूझ रही है। जिन क्षेत्रों में इस सप्ताह में वर्षा नहीं हुई है व हाँ निराई के कार्य पूरा करें । बेल्लारी जिले के कुछ क्षेत्रों में गुलाबी सूँडी का प्रकोप देखा गया है । गुलाबी सूँडी की रोकथाम के लिए सिफारिश किए गए नियंत्रण उपाय करने की किसानों को सलाह दी जा रही है। कुछ क्षेत्रों में, मिरिड बग का प्रकोप देखा गया है। कुछ क्षेत्रों में लाल पत्ती रोग का प्रकोप है। इसके लिए 1% , 19:19:19+1.0% मेग्नीशियम सल्फेट का फसल पर छिड़काव करने की सिफ़ारिश की जाती है । इस क्षेत्र में, दिन के समय शुष्क मौसम तथा रात्रिकाल में ठंडा मौसम चल रहा है। अधिक वर्षा होने वाले स्थानों में पत्तियाँ पीली प ड़ रही हैं। खेत में अतिरिक्त पानी को निकलने के लिए निकासी नाली बनाएँ। धारवाड़ जिले के 09 गांवों में सर्वेक्षण किया गया, जिनमें से बेविनामा गांवों के एक स्थल पर जैसिड आर्थिक हानि स्तर से ऊपर तथा तिरलापुर और नारागोंड गांवों के क्रमश: 01 तथा 02 स्थलों पर फूलकीट की संख्या आर्थिक हानि स्तर से ऊपर दर्ज
धारवाड़	4.3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
हवेरी	2.2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
मैसूर	5.5	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	

														की गई| गुलाबी सूँडी हालाकरकी तथा हुलागेरी गांवों के प्रत्येक के 02 स्थलों पर गुलाबी सूँडी की संख्या आर्थिक हानि स्तर से ऊपर दर्ज की गई| तिरलापुर तथा वदावत्ती गांवों के प्रत्येक के एक स्थल पर चेंपा(एफीड) आर्थिक हानि स्तर से ऊपर रिकार्ड किया गया| रायचूर जिले के 06 गांवों में सर्वेक्षण किया गया, जिनमें सभी गांवों में जैसिड तथा गुलाबी सूँडी आर्थिक हानि स्तर से कम दर्ज किए गए|
तामिलनाडु														फसल कालिकायन तथा पुष्पन की प्रारंभिक अवस्था में है | कपास उत्पादक क्षेत्र में मौसम शुष्क चल रहा है तथा वर्षा भी नहीं है| रोगों का प्रकोप नहीं है| श्रिविल्लीपुत्तूर में सीथामयांकन पट्टी में 02 स्थलों पर जैसिड आर्थिक हानि स्तर से ऊपर दर्ज किया गया | सीथामयांकन पट्टी तथा मल्ली गावों में क्रमश: 01 तथा 02 स्थलों पर थ्रिप्स की संख्या आर्थिक हानि स्तर से अधिक रिकार्ड की गई|
पेरंबलुर	8	0	0	0	0	3	5	0	0	0	0	0	0	
सलेम	18.9	0	0	7	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
त्रिची	15	0	12	1	4	1	0	4	1	0	0	0	0	
विरडुनगर	58.9	1	0	6	6	0	0	0	2	1	0	0	0	

आदर्श वर्षा					
वर्षा मि.मी.	<5	5-20	21-50	50-80	>80

साप्ताहिक सलाहकार संयोजक टीम:

डा. के.आर. क्रांति, डा. ए. एच. प्रकाश, डा. संध्या क्रांति, डा. डी. मोंगा, डा. ब्लेज़ डी-सूजा, डा. एस. बी. सिंह, डा. सिंगनधूपे, डा.एम.वी. वेणुगोपालन, डा. इसाबेला अग्रवाल, डा. एम.सबेस, डा. विश्लेष नगरारे, डा. ऋषि कुमार, डा. एन अनुराधा नराला, डा. दीपक नगराले, श्रीमति संगीता औरंगाबादकर एवं कु. सचिता एलेकर

हिन्दी संसकरण: उल्हास नंदनकर, मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं प्रभारी, हिन्दी अनुभाग तथा प्रभारी, वरिष्ठ प्रक्षेत्र अधीक्षक, केकअनुसं, नागपुर (महाराष्ट्र)